खबर संक्षेप

महाराजपुर पुलिस की सख्त कार्रवाई, जुआ खेलते पकड़े गए 6 व्यक्ति

मण्डला। अवैध जुआ-सट्टा गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में चलाए जा रहे सतत अभियान के तहत थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई। दिनांक 09.11.2025 को थाना महाराजपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम रामबाग में झूला पुल के पास रोड किनारे स्थित एक खेत में कुछ व्यक्ति ताश के 52 पत्तों पर रुपए-पैसों का दांव लगाकर अवैध जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर त्वरित पुलिस टीम गठित कर घेराबंदी करते हुए मौके पर दबिश दी गई,06 जुआरियों को मौके से गिरफ्तार किया गया। मौके से नगदी राशि, ताश के पत्ते एवं अन्य सामग्री जप्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों में सुकल सिंह सैय्याम, 29 वर्ष, बुजबुजिया, मानादेही। अभिषेक निखर, 30 वर्ष, वार्ड 18 छोटी खैरी, मंडला। राहुल पटेल, 34 वर्ष, वार्ड 03 रंगरेज घाट, मंडला। जितेन्द्र बैरागी, 28 वर्ष, बड़ी खैरी, मंडला। विक्रांत बरमैया, 32 वर्ष, ग्राम रामबाग। दुर्गेश नंदा, 30 वर्ष, वार्ड 04 महात्मा गांधी वार्ड, मंडला। जप्त सामग्री में नगदी 10,700/-, ताश पत्तों का एक सेट (52 पत्ते) मोमबत्ती,चार्जिंग बल्ब। पुलिस टीम की कार्यवाही में निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव, उप निरीक्षक लक्ष्मीचंद बिसेन, प्रधान आरक्षक संतलाल परस्ते, आरक्षक चंद्रशेखर, शिवा नाविक, अमित गरयार, सुंदर भलावी, संदीप पूसाम एवं विष्णु जंभारे शामिल रहे।

सीएम हेल्पलाईन के निराकरणों को लेकर कलेक्टर के निर्देश

अभी तक की प्रगति संतोषजनक नहीं

*** जिला अधिकारियों को दिया 10 दिन का समय।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने जिला अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अक्टूबर माह की शिकायतों के साथ-साथ 50 दिवस से अधिक की शिकायतों पर भी विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण पर फोकस करें एवं विभागीय संतुष्टि का प्रतिशत बढ़ाएं। जिले की रैंकिंग जारी होने में 10 दिवस का समय शेष है। अभी तक की प्रगति संतोषजनक नहीं है, इसलिए दैनिक आधार पर लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्रतिदिवस फॉलोअप करें।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि समाधान के बिन्दुओं को जिला अधिकारी ध्यान से पढ़ें। इन बिन्दुओं से संबंधित शिकायतों को आगामी 3 दिवस में शतप्रतिशत निराकृत कराएं। उन्होंने कहा कि कलेक्टर आईडी में 1146 शिकायतें लम्बित हैं। विभागीय अधिकारी शिकायतवार फॉलोअप लेते हुए शिकायतों को बंद कराएं।

सीएम हेल्पलाईन के निराकरणों को लेकर लगातार इस तरह की बातें सामने आती रही हैं कि जिन शिकायतों को लेकर सीएम हेल्पलाईन में पीड़ित आवेदन करते हैं उन शिकायतों पर कार्यवाही नहीं होती वरन् अपनी रैंकिंग ठीक करने के लिये संबंधित विभाग के जिला अधिकारी या तो शिकायतकर्ता पर दबाव बनाते हैं और यदि दबाव काम नहीं करता तो फिर शिकायत पर कार्यवाही करने का आश्वासन देते हुये भावनात्मक रूप से शिकायतकर्ता को इस बात के लिये मनाया जाता है कि वह सीएम हेल्पलाईन में की गई अपनी शिकायत वापिस ले लें।

शिकायत वापिस लेने के लिये सिर्फ विभागीय अधिकारी ही नहीं बल्कि उनका पूरा अमला शिकायतकर्ता को इस बात के लिये मनाने में लग जाता है कि वह अपनी शिकायत यह कहकर वापिस ले ले कि उसकी समस्या का निराकरण हो गया है और जब विभाग के अधिकारी, कर्मचारी इस उद्देश्य पर सफल नहीं होते तो फिर समाजसेवियों, राजनैतिक व्यक्तियों एवं उस व्यक्ति से संबंधित पहुंच वाले व्यक्तियों की सहायता से शिकायत को किसी भी स्थिति में वापिस करा ही लिया जाता है और फिर विभाग के अधिकारी यह कहते हैं कि उन्होंने शिकायत का निराकरण कर दिया और यही कारण है कि शिकायतकर्ता ने संतुष्ट होते हुये अपनी शिकायत वापिस ले ली है।

इस तरह के फर्जी निराकरण के बहुत सी शिकायतें उन शिकायतकर्ताओं ने मीडिया को बताई जिनका निराकरण न करते हुये सिर्फ आश्वासन देकर एवं डर दिखाकर शिकायत तो वापिस करा ली गई लेकिन जिस समस्या को लेकर शिकायत की गई थी उस समस्या का समाधान नहीं हुआ।

क्यों होती सीएम हेल्पलाईन में शिकायत

कोई भी नगरवासी या ग्रामवासी सीएम हेल्पलाईन में अपनी शिकायत तब दर्ज कराता है जबकि उसे स्थानीय स्तर पर न्याय नहीं मिलता जाहिर सी बात है यदि उसकी शिकायत का निराकरण पंचायत स्तर पर, जनपद स्तर पर, नगरपालिका स्तर पर या फिर जिला स्तर पर हो जाये तो कोई क्यों सीएम हेल्पलाईन में शिकायत करेगा। जिले के अधिकारी शिकायतों के निराकरण को लेकर कितने उदासीन हैं यह सीएम हेल्पलाईन में हो रही शिकायतों से स्पष्ट हो जाता है अभी भी शिकायतों के निराकरण पर नहीं बल्कि शिकायतों को वापिस कराने में ज्यादा मेहनत की जा रही है। यही कारण है कि प्रत्येक बैठकों में जिला कलेक्टर को इस तरह के निर्देश जिला अधिकारियों को देने पड़ रहे हैं कि सीएम हेल्पलाईन में हो रही शिकायतों के निराकरण पर प्रगति संतोषजनक नहीं है यही कारण है कि जिले की प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो रही है। अन्य दूसरी योजनाओं के क्रियान्वयन में जहां मण्डला जिले का अच्छा नाम है तो वहीं सीएम हेल्पलाईन को लेकर अपनी प्रतिष्ठा खराब करना किसे अच्छा लगेगा और इसीलिये मण्डला कलेक्टर सोमेश मिश्रा लगातार जिला अधिकारियों की क्लास लगाते रहते हैं।

अखिल भारतीय परंपरागत बैद्य महासंघ द्वारा किया गया बैद्य सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

अखिल भारतीय परंपरागत वन औषधि बैध महासंघ का आठवां अंतरराष्ट्रीय तीन दिवसीय कार्यशाला पेंड्रा छत्तीसगढ़ में आयोजित किया गया, जिसमें देश के 25 राज्यों से 600 से अधिक प्रशिक्षित बैध एवं आचार्य शामिल हुए, आठवीं राष्ट्रीय वन औषधि ज्ञान संगोष्ठी अरपा सोन पर्यावरण सुरक्षा एवं मानव विकास समिति के द्वारा आयोजित किया गया,, जिसका उद्देश्य प्रकृति को पहचाने और औषधीय पेड़ पौधों के माध्यम से अनेक रोगों से निजात पाए। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि विकास मरकाम अध्यक्ष औषधि पादप बोर्ड कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़,, प्रोफेसर व्योम केस त्रिपाठी कुलपति इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक, आरके प्रजापति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, डॉक्टर जैन पुरोहित जी विश्व प्रसिद्ध नाड़ी विशेषज्ञ गुजरात, संजय सिंह संजीवनी रस प्रायोजक एवं प्रणेता, डॉ विनोद दुबले प्राकृतिक चिकित्सा और प्रशिक्षक, की उपस्थिति में संपन्न हुआ, परंपरागत वेद एवं प्रशिक्षित वेदों द्वारा औषधि पौधों का प्रदर्शन कर उक्त पौधों से उपचार की जानकारी दी गई।

भुआबिछिया मण्डला निवासी बैध सुदेश नामदेव द्वारा महिलाओं एवं पुरुषों के गुप्त रोगों के विषय में, सफेद पानी का निकलना, खुजलाहट होना, महीने का आगे पीछे होना, बच्चेदानी के अंदर गठानों का होना, गर्भधारण करने में दिक्कत होना आदि उक्त रोगों के होने के कारण की व्याख्या करते हुए औषधि पौधों से इसका सरल सहज उपचार बताया, उक्त जटिल रोग का सहज उपचार कार्य हेतु वेद महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल पटेल एवं मध्य प्रदेश के अध्यक्ष निर्मल रघु जी द्वारा सुदेश नामदेव को सम्मानित किया गया, उल्लेखनीय है कि सुदेश नाम के द्वारा अनेक प्रकार की औषधि पौधों का रोपण कर, अनेक वर्षों से जड़ी बूटियां प्रदान कर लोगों का उपचार प्रदान कर रहे है।

एसडीएम ने किया गणना पत्रक वितरण और मतदाताओं से संपर्क कार्य का निरीक्षण

मण्डला। एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम ने मण्डला अनुविभाग के ग्राम पद्मी का भ्रमण किया। उन्होंने यहाँ मतदाताओं से घर-घर संपर्क कार्य का निरीक्षण किया और मतदाताओं से फीडबैक लिया। मतदाताओं से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों में गणना पत्रक (ईएफ) वितरण का कार्य किया जा रहा है। साथ ही मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान करने हेतु घर-घर सर्वे का कार्य किया जा रहा है।

उत्तरवाहिनी परिक्रमा करने के लिए पुणे से मण्डला आया पहला समूह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

महिष्मति नगरी मण्डला शहर की महिमा व गरिमा माँ नर्मदा से हैं। किसी काल में नर्मदा जी दुप्टा संगम से सीधे नारायणगंज निकल जाती थी। भगवान वेदब्यास जी की कृपा से मैया ने अपना मार्ग बदलकर महिष्मति नगरी में मण्डलाकार रचना करते हुये, अपना आशीर्वाद प्रदान किया। मैया के उत्तरवाहिनी प्रवाह का आशिर्वाद भी तभी से प्राप्त हुआ।

यह उत्तरवाहिनी प्रवाह हजारों वर्षों से हैं। कुछ वर्ष पूर्व जब पूज्य संतों ने मण्डला शहर के लोगों को उत्तरवाहिनी प्रवाह की जानकारी दी, तब से महिष्मति उत्तरवानिी परिक्रमा शुरू हो गई। अभी तक यह केवल चैत्र महीने में करते थे, परन्तु इस वर्ष पुणे के कुछ श्रद्धालुओं ने उत्तरवाहिनी परिक्रमा मार्ग की दिव्यता को आत्मसात करने के उद्देश्य से अभी ही उत्तरवाहिनी परिक्रमा कर रहे हैं।

09 नबंवर को यह समूह मंडला आकर महाराजपुर स्थित राधाराज आश्रम में रात्रि विश्राम किया। 10 नबंवर को सुबह 06 बजे राधाराज आश्रम के प्रबंधक श्री घनश्याम बर्मन ने पूरे समूह को श्री व्यास नारायण मंदिर, किला घाट छोडा। उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति के श्री सुधीर कांसकार ने समूह को पूरा रूट चार्ट समझाया एवं पंडित श्री रामायण दुबे ने संकल्प पूजन करवाकर तट परिवर्तन हेतु रवाना किया। यह समूह पिछले 4-5 वर्षों में पहला समूह हैं जो चैत्र माह के अलावा आया हैं। इस समूह के लोगों से चर्चा करने के पश्चात लगा कि यदि यह परम्परा शुरू हुई तो वर्ष भर उत्तरवाहिनी परिक्रमा के लिये श्रद्धालुओं का मंडला आगमन होगा।

नगर परिषद में हुआ वंदे मातरम का समूहिक गान

भुआबिछिया। नगर परिषद परिसर में शासन के प्राप्त निर्देशानुसार 10 नवंबर 2025 को राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सामूहिक गायन हुआ। 'वन्दे मातरम्' की रचना 1875 में महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चटर्जी ने की थी। इसे राष्ट्र की आत्मा और देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी के नेतृत्व में सभी अधिकारी और कर्मचारी एकत्र हुए। उन्होंने राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम' का सामूहिक गायन किया। सामूहिक राष्ट्रीय गीत गायन में अध्यक्ष रजनी मरावी, पार्षद शशिकांत श्रीवास्तव, अशोक यादव, प्रवीण राजपूत, मनोज निगम, घनश्याम सिंह चौहान, अवन बिसेन, स्वच्छता मित्र कर्मचारी, एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

हरिकथा | **श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर भक्तों ने भक्ति रस में लगाया गोता**

ध्रुव चरित्र और हरि अवतार कथा में आत्मविभोर श्रोता

*** स्व. कमलेश पाठक की स्मृति में पुराण का आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नगर के ग्राम पंचायत कटरा स्थित सुभद्रा नगर में जारी श्रीमद्भागवत अमृत ज्ञान कथा महोत्सव का तीसरा दिवस श्रद्धा, भक्ति और भावनाओं के अद्भुत संगम का साक्षी बना। स्वर्गीय श्री कन्छेदीलाल पाठक एवं स्वर्गीय श्री कमलेश पाठक की पुण्य स्मृति में आयोजित इस कथा में आज श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी। परम पूज्य धर्मशास्त्राचार्य पंडित मानवेंद्र शास्त्री जी महाराज के मुखारविंद से जब ध्रुव चरित्र एवं हरि अवतार की दिव्य कथा का वर्णन प्रारंभ हुआ, तो पूरा वातावरण "हरि-हरि" और "जय श्रीकृष्ण" के जयघोष से गूंज उठा।

शास्त्री जी महाराज ने अपने ओजस्वी एवं मधुर वचनों से बालक ध्रुव की अटूट श्रद्धा, दृढ़ निश्चय और ईश्वर भक्ति की अनुपम गाथा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि "ध्रुव जैसा निष्कपट प्रेम और अडिग विश्वास ही मनुष्य को ईश्वर के साक्षात्कार तक ले जाता है।" उन्होंने यह भी कहा कि "ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग केवल श्रद्धा, भक्ति और सत्कर्मों से ही संभव है।" जब शास्त्री जी ने ध्रुव को भगवान विष्णु के दर्शन होने का प्रसंग सुनाया, तो पंडाल में उपस्थित अनेक श्रद्धालु भावविभोर होकर अश्रुपूरित हो उठे।

इसके पश्चात शास्त्री जी ने हरि अवतार की कथा का भावनापूर्ण और ज्ञानवर्धक वर्णन करते हुए कहा कि भगवान विष्णु ने हर युग में धर्म की पुनर्स्थापना और अधर्म के नाश के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि "जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान स्वयं अवतरित होकर धर्म की रक्षा करते हैं।" इस प्रसंग के दौरान कथा पंडाल में भक्ति संगीत, पुष्पवर्षा और दीपमालाओं की अलौकिक छटा ने वातावरण को स्वर्गीय बना दिया।

कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु "नारायण-नारायण", "हरि बोल" और "जय जय श्रीराधे" के संकीर्तन में झूमते रहे। हर कोई भक्ति रस में पूरी तरह डूब गया। शास्त्री जी ने कहा कि जीवन में भक्ति, सेवा और सदाचार का समावेश ही सच्चा धर्म है। उन्होंने गौसेवा, वृक्षारोपण और सत्संग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रद्धालु कथा श्रवण का पुण्य लाभ प्राप्त करने पहुंचे।

चरित्र विवरण (कथा वाचक परिचय)

पंडित मानवेंद्र शास्त्री जी महाराज विख्यात श्रीमद्भागवत कथा वाचक हैं, जिन्होंने देश के अनेक नगरों में भक्ति, ज्ञान और भाव का अमृतपान भक्तों को कराया है। आपकी वाणी में भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। समाज में संस्कार, सदाचार, गौसेवा और धर्म प्रचार के क्षेत्र में आपका योगदान अत्यंत सराहनीय है।

तीसरे दिवस की कथा ने यह संदेश दिया कि अटूट विश्वास, निष्ठा और भक्ति ही मनुष्य को ईश्वर से जोड़ती है। श्रद्धा, भक्ति और सेवा से ओतप्रोत यह दिवस श्रद्धालुओं के जीवन में दिव्यता और आत्मिक शांति का अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

विधिक सेवा दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता प्रदर्शनी एवं जेल में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार न्यायोत्सव के अंतर्गत 9 से 14 नवंबर तक विधिक सेवा सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसके पालन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमान कमल जोशी के आदेशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री तपन धारगा के मार्गदर्शन में सोमवार को "न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह" के अंतर्गत जनसामान्य तक न्याय की पहुंच उपलब्ध कराये जाने एवं प्रत्येक तबके तक यह संदेश पहुंचाना है कि कानून सबके लिए समान रूप से उपलब्ध है इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए जिला न्यायालय परिसर मण्डला में विधिक सेवा प्रदर्शनी के माध्यम से नालसा व सालसा की योजनाओं के फ्लैक्स/बैनरों की प्रदर्शनी लगायी गयी। जिसका शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कमल जोशी द्वारा फीता काटकर किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से समस्त योजनाओं का प्रदर्शन एवं योजनाओं से संबंधित पम्पलेट वितरित कर आमजनों को विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही जिला जेल मण्डला में बंदियों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं विधिक जाागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में जिला चिकित्सालय से उपस्थित चिकित्सा अधिकारियों द्वारा पुरूष बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं महिला बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण महिला चिकित्सक द्वारा किया गया एवं निःशुल्क दवाईयां उपलब्ध करवाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बंदियों को चिन्हित कर विधिक सलाह प्रदान की गई। पूर्व में जिन अधिवक्ताओं को बंदियों के प्रकरणों में नियुक्त किया गया था उनके द्वारा बंदियों के प्रकरणों में हुई कार्यवाहियों के संबंध में विस्तृत जानकारी उपस्थित लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स एवं पैनल अधिवक्ताओं के द्वारा प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम में बंदियों को उनके संवैधानिक तथा विधिक अधिकारों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश आरके रावतकर, प्रथम अति. जिला न्यायाधीश रमेश रंजन चौबे, द्वितीय जिला न्यायाधीश तेजप्रताप सिंह, तृतीय जिला न्यायाधीश हेमराज सनोडिया, पंचम जिला न्यायाधीश ब्रजेश गोयल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद जफर खान एवं समस्त न्यायाधीशगण, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती दीपिका तारन एवं अन्य अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

मेड से निकली बिजली लाईन को लेकर मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम खिरिया डेंड्खेडा टोला निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे खेत से लगा हुआ राजकुमार का खेत है जिसके बीच की मेड से लकड़ी के खम्बा लगाते हुये बिजली लाईन निकाली गई है। जब बीते हुये दिवस प्रार्थी अपने खेत पर गया तो उस दौरान राजकुमार तथा उसका भाई अभिषेख आये और बोले की खेत की मेड से बिजली की डोरी हटाओं इसी बात को लेकर दोनों गंदी गंदी गाली देने लगे। जब प्रार्थी ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। इस दौरान जब प्रार्थी की पत्नी बीच बचाव करने के लिये पहुंची तो उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तिा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पुरानी बुराई पर की मारपीट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस शहर के नदी मुहल्ला निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने घर पर था उसी समय दीपक श्रीवास्तव नामक युवक आया और पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये घर में रखे हुये बाशिंग मशीन, मिक्सर, कूलर सहित अन्य सामग्री की तोड़फोड़ करते हुये क्षति पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

लाठी मारकर किया घायल

सांईखेड़ा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पिपरिया कला निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने घर के सामने बैठा हुआ था उसी समय गांव का भोला व उर्फ शिशु पाल राजपूत आया और गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पुरानी बुराई को लेकर मारपीट

चीचली। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम गोटीटोरिया निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने किसी काम से कोलुआ घाट गया हुआ था। इस दौरान वहां पर गब्बर ठाकुर, अभिषेक बरेठा व राम सेवक कतिया मिला जो पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये एक राय होकर मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

चाचा ने भतीजे सहित भाभी से की मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम गरधा निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह अपनी माँ तथा पिता सहित भाईयों के साथ रहता है। उसी मकान में प्रार्थी का चाचा बसोरी लाल जाटव भी रहता है। जब बसोरी लाल अपने घर से बगैर बताये कही चले जाने के बाद कुछ दिन बाद बापिस आये तो प्रार्थी की माँ ने पूछा की कहा चले गये थें कम से कम बता कर तो जा सकते थें।

लिलवानी कोठिया मार्ग की बदहाली ने गांव के लोगों को किया शहर से विमुख

टूटी हुई सड़कों को नजर अदांज किये जाने के कारण ग्रामीणों को करना पड़ रहा है परेशानियों का सामना

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर केन्द्र में बैठी हुई सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने के लिए गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण हर साल करोड़ो रूपया खर्च किया जा रहा है। मगर उन सड़कों का निर्माण कार्य करने वाली कंपनियों द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों की मिली भगत के चलते जिस प्रकार से सड़कों के निर्माण कार्यो को अंजाम दिया जाता है उसके चलते यदि कोई सड़क पूरे एक वर्ष भी चल जावे तो बड़ी बात साबित होने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लिलवानी से कोठिया के बीच बनी हुई प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क में देखने मिल रही है। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत 4.7 किलो मीटर सड़क को अभी बने हुए मात्र कुछ ही साल निकले हुये है। यह बात अलग है कि मौके पर लगे हुये वोर्ड के अनुसार तो सड़क निर्माण को लम्बा समय कहा जा सकता है। क्योंकि यहां पर वोर्ड लगाये जाने के बाद लम्बा समय बीते जाने के बाद सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। सही मायने में देखा जावे तो मौके पर स्थापित किये गये वोर्ड में अंकित इस सड़क की गारंटी अवधि समाप्त हो चुकी थी तब कही सड़क निर्माण कार्य शुरू हुआ था..? और इस सड़क के निर्माण होने के कुछ दिनों उपरांत ही जिस तरह जहां तहां दरारे निकलने की शुरूआत होने से सड़क के निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता अपने शुरू हो चुकी थी। ज्यों ज्यो समय बीतते चला गया और यह सड़क बदहाल होने के चलते इस समय सड़क की स्थिति इस तरह बन चुकी है कि लोगों को वाहन चलाते हुये निकलना

तो दूर की बात पैदल तक निकलने में परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। जब वाहन चालक सड़क से अपने वाहनों को निकलते है तो वह अपने आपकों मौत कुंआ में वाहन चलाने के समान महसूस करने से नही चकते है। ग्राम लिलवानी से कोठिया की बीच की सड़क सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ सालों पहले यह सड़ केन्द्र सरकार की योजना के तहत लगभग 168.69 लाख रूपया की लागत से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाये जाने के लिये स्वीकृति प्रदान हुई थी जिससे यहां के लोगों ने सपना देखा था कि उनका गांव पक्की सड़क से जुड़ जाने के बाद उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होने लगेगे और इस सड़क के निर्माण के लिए जे एम डी कंस्ट्रक्शन कंपनी शिवपुरी करेरा की कंपनी द्वारा ठेका लिया गया था तथा इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने की तिथि 22 दिसम्बर 2009 से 21 दिसम्बर 2010 तक पूर्ण करना था। वही सड़क को गुणवत्ता के साथ निर्मित करते हुए इस सड़क की ठेकेदार द्वारा 5 वर्ष तक की गारंटी का भी एग्रीमेन्ट निर्धारित किया गया था, जिसके चलते सड़क निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़क निर्माण कार्य की शुरूआत जिस प्रकार से की गई तो उसकी गुणवत्ता पर सबाल खड़े होने के कारण इस सड़क का निर्माण कार्य कापी समय तक बंद रहा जिसके चलते कंपनी द्वारा सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने की तिथि की बात तो दूर सड़क निर्माण का गारंटी अवधी भी बगैर निमार्ण हुए ही निकल गया था। इस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य शुरू होने के कई सालों तक सड़क का काम बंद होने के बाद शायद किसी दूसरी कंपनी द्वारा इस सड़क का निर्माण किया गया था। इस तरह आपा धापी के बीच चंद दिनों के अंदर जिस प्रकार से सड़क का निर्माण कार्य किया गया था उसे देखते हुए यह बात स्पष्ट होते हुए जान पड़ रही थी कि कंपनी द्वारा सड़क निर्माण में गुणवत्ता को दर किनार किया जा रहा है और इस सड़क का भविष्य ज्यादा दिनों का नही हो सकता है..? क्योंकि इस सड़क के निर्माण के दौरान कंपनी द्वारा बेश तथा अन्य कार्यो में स्थानीय नदी का बजरा के रूप में चुन कंकडो का उपयोग किया गया है। वह इस बात को स्पष्ट रूप से संकेत दे रहा था कि सड़क बनने के कुछ दिन बाद ही टूटना शुरू हो जावेगी। क्योंकि चुन कंकड़ो की विशेष घुलनशील के रूप में मानी जाती है जब उन पर बजन पड़ता है तो वह घुल जाते है और इस प्रकार से गुणवत्ता हीन सामग्री उपयोग होने की सच्चाई को लेकर स्थानीय स्तर पर मीडिया द्वारा प्रमुखता उजागर भी किया गया था। मगर उस समय न तो किसी क्षेत्र के अच्छे नेता द्वारा ध्यान दिया गया था और न ही संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिसके चलते चंद दिनों के अंदर इस सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ साथ किसी भी प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा सड़क पर डामरीकरण करते हुए उसे काला तो कर दिया गया था। मगर अब इस सड़क की सच्चाई इस प्रकार से देखने मिल रही है कि सड़क का निर्माण हुए अभी कुछ साल ही बीते होगे और इस सड़क में जहां तहां निकल रही बड़ी बड़े ददारे तथा टूट रही सड़क अपने आप ही अपनी गुणवत्ता की कहानी बताते हुए जान पड़ रही है...? अनेक जगहों पर तो गड्ढो की स्थिति इस तरह देखने मिल रही है कि वह मौत का कुंआ साबित होने से नही चूक रहे है। इस तरह वाहन चालक अपनी जान जोखिम में डालते हुये निकलने के लिये मजबूर देखे जा रहे है। इस तरह बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी ग्राम लिलवानी कोठिया मार्ग के निर्माण को लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा शासन प्रशासन से पुनः गुहार लगाई जाने लगी है। यदि समय रहते हुये इस सड़क में सुधार कार्य नही हुआ तो निश्चित तौर से इस सड़क पर बड़ बड़ी घटनाये घटित होना दिखाई देने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

राष्ट्रीय शालेय व्हालीबाल प्रतियोगिता की तैयारियां जोरों पर

खेल मैदान सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिये बनाई गई समितियाँ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के लिये निश्चित तौर से बडे ही गौरव की बात है कि क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप के प्रयासों के चलते गाडरवारा में लगातार दूसरे वर्ष प्रदेश के बाद अब राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। इस तरह नगर के पुराने खेल मैदान पर 13 नवंबर से 17 नवंबर तक होने वाले 69 वी राष्ट्रीय शालेय व्हालीबाल प्रतियोगिता 19 आयु वर्ग बालक /बालिका का आयोजन के लिये तैयारिया बडे ही जोरो से चलते हुये देखी जा रही है। इस आयोजन मे देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 1032 प्रतिभागी खिलाडी एवं 215 ऑफिसियल्स सहभागिता करेंगे। इसी के चलते आयोजन की तैयारियो लगातार शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जुटे हुये देखा जा रहा है। खेल मैदान पर प्रतिदिन आयोजन समिति व नपा के सहयोग से मैदान का समतलीकरण कार्य में लगे हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर प्रतियोगिता के सुचारु संचालन की दृष्टि से जिला कलेक्टर एवं आयोजन समिति की अध्यक्ष श्रीमती रजनी सिंह ने विभिन्न समितियों का गठन कर उसमें प्रभारी, सहप्रभारी एवं सदस्यों को शामिल कर उन्हें अहम जिम्मेदारियां सोंपी है। इन समितियों में प्रमुख रूप से कार्यकारी अध्यक्ष जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह नागेश, प्रतियोगिता नोडल अधिकारी एसडीएम कलावती ब्यारे, सहायक नोडल अधिकारी तहसीलदार प्रियंका नेताम, संगठन सचिव जिला शिक्षा अधिकारी, सहसचिव जिला क्रीड़ा एवं कल्याण निरीक्षक, प्रतियोगिता संयोजक सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे एवं सह सहसंयोजक श्रीमती नीलम मरावी को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा आपत्ति निराकरण व तकनीकी समिति, सामग्री क्रय समिति, भौतिक सत्यापन एवं प्रमाणी करण समिति, समन्वयक समिति, प्रचार प्रसार समिति, मंच संचालन समिति, अतिथि स्वागत पुरुस्कार वितरण मंच व्यवस्था समिति, क्रीड़ागन व्यवस्था समिति,व्हालीबाल बालक /बालिका निर्णायक समिति,

खेल मैदान, मैस आवास सुरक्षा व यातायात समिति, पंजीयन पात्रता सत्यापन समिति, रेल्वे स्टेशन /बस स्टैंड आगमन /प्रस्थान समिति, परिवहन समिति, खेल मैदान आवास चिकित्सा समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, भोजन एवं पेयजल व्यवस्था समिति, आवास व्यवस्था समिति, कम्युनिकेशन समिति, कम्प्यूटर कार्य समिति सहित अनेक समितियाँ बनाई गईं है। इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग के लिए आवास व्यवस्था अशासकीय शिवा इंटरनेशनल स्कूल, दक्ष स्कूल, नूपुर कान्वेंट स्कूल, शिवाजी स्कूल, आईटीआई गाडरवारा, माइंड ट्री एवं वन स्टेप स्कूल एवं बालिका वर्ग के लिए आवास व्यवस्था टैगोर विद्या निकेतन, न्यू एज स्कूल, न्यू एरा स्कूल, क्राइस चर्च कान्वेंट स्कूल, आदित्य पब्लिक एवं रेनवो पब्लिक स्कूल में की गईं है। भोजन व्यवस्था के किये मैस पीएमश्री कन्या नवीन स्कूल में तैयार की जा रही है। बनाई गई सभी समितियों से समन्वय एवं सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना शासकीय आदर्श उ मा विद्यालय में की गईं है जिसमे शिक्षकों की डियूटी लगाई गईं है। प्रतियोगिता में आवास से खेल मैदान एवं मैस आने जाने हेतु निजी स्कूलों की बसों की सेवाएं ली जा रही है। प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु टीमों का आगमन आज 11 नवंबर से प्रारंभ हो जायेगा। प्रतियोगिता की तैयारियो को अंतिम रूप देने के लिए सभी समितियाँ पूर्ण मनोयोग से अपने कर्तव्यों का निर्वाहन कर रही है।

स्कूलों में जब शिक्षक ही नही होगे तो बच्चे कैसे करेगे पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुये आम जनता का भला करने का बादा करने से तो नही चूक रही है। मगर जब पर्याप्त मात्रा में उस योजना का दायित्व निभाने वाले ही नही होगे तो योजना का लाभ कैसे मिल पायेगा..? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र के तहत अनेक ग्रामों में देखने मिल रही है। जहां पर ग्रामीणजन मूल भूत सुविधाओं से वंचित हैं...? ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बाद भी ग्रामीणजन रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर हैं। वही ग्रामीणों की समस्या के समाधान के लिये ना तो अधिकारी पहल कर रहे हैं और ना ही जनप्रतिनिधि। इसी वजह से ग्रमीणों को शासकीय राशन दुकानों से खद्यान्न, कैरोसीन, शक्कर, पेयजल के साथ-साथ स्वास्थ्य जैसी आम सुविधाओं के लिये भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है...? ग्रामों को जोड़ने वाली सड़के जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। लेकिन इनकी मरम्मत के लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। वही देखा जावे तो वर्तमान स्थिति में क्षेत्र के अनेक ग्रामों में हैंडपंप बिगड़ी हालत में पड़े हें और कुछ दूषित पानी उगलते हैं, जिसे ग्रामीणजनों को निस्तार के साथ साथ पीने के उपयोग में भी लाना पड़ता है। ग्राम्यांचलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिये भी शाला भवन तो बन गये हैं। मगर उनमें शिक्षकों का टोटा है, शिक्षकों की कमी के साथ साथ उनकी अप डाऊन प्रवृति शिक्षा व्यवस्था को ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ रही है।

इसी का परिणाम है कि गरीब तबके के बच्चें अपनी आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं। वही शिक्षण सत्र के दौरान देखा जाता हे कि क्षेत्र की अनेक शालाओं में पदस्थ शिक्षक शिक्षिकायें मनमाने ढंग से अपने गृहनगर से समय बेसमय आना जाना करते है। वही दूसरी ओर कुछ शिक्षक तो राजनीति में इस तरह मग्न होकर नेताओं के आगे पीछे घुमते हुये देखे जाते है जो शासकीय कर्मी कम और नेताओं के रूप में अधिक जान पड़ रहे है..? इस सबकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को भी रहती है, परंतु वे जानते बूझते हुये भी इस ओर ध्यान नहीं देते है, जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बच्चों की पढ़ाई का स्तर गिर रहा है। वही शालाओं को बच्चों को पौष्टिक मध्यान्ह भोजन भी सिर्फ कागजो तक ही सिमित नजर आ रहा है,जिसमें देखा जावे तो कुछ शालाओं की स्थिति इस प्रकार से बनी हुइ्र है कि मध्यान्ह भोजन की मात्र रस्म अदायगी ही साबित हो रही है?

राष्ट्रीय शालेय व्हालीबाल प्रतियोगिता के चलते जिला शिक्षा अधिकारी ने बैठक लेते हुये दिये जरूरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर मे 69 वी राष्ट्रीय शालेय व्हालीबॉल प्रतियोगिता की तैयारियां सुचारु रूप से जारी हैं। इसी के चलते बीते सोमवार को प्रतियोगिता के संदर्भ मे स्थानीय शासकीय आदर्श उ मा विद्यालय मे नवागत जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुरख्या ने प्रतियोगिता की विभिन्न समितियों से जुड़े अधिकारियो एवं कर्मचारियों की आवश्यक बैठक ली गई। बताया जाता है कि इस बैठक में उन्होंने प्रतियोगिता से सबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीईओ इंदुरख्या ने कहा कि इस प्रतियोगिता में सम्पूर्ण देश से खिलाडी शामिल होंगे। इस दौरान उन्हें किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। हमारे नगर में आने वाले खिलाड़ियों के लिए आवास, परिवहन, भोजन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं खेल प्रतियोगिता संबंधी समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। जिन कर्मचारियों की ड्यूटी जिन समितियों मे लगी हैं वे अपने दायित्व का निर्वाहन पूर्ण ईमानदारी एवं सक्रियता से करें। इस आयोजन मे किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी। वही बैठक में कहा गया कि यह आयोजन सभी के लिए यादगार हो ऐसा कार्य हम सभी करें। बाहर से आ रहे खिलाड़ियों के प्रति हम सभी का बर्ताव बेहद अच्छा एवं सहयोगी हो। बैठक मे सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे, बीआरसी ड़ी के पटेल, संदीप स्थापक, जिला क्रीड़ा अधिकारी सहित आयोजन समिति से जुड़े अधिकारियो ने भी व्हालीबॉल प्रतियोगिता की सफलता के लिए सभी से पूर्ण मेहनत से जुट जाने के निर्देश दिये गये है। इस अवसर पर सभी समितियों से जुड़े कर्मचारी उपस्थित रहे।

अलग अलग स्थानों से जप्त किये धारदार हथियार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस जब पुलिस द्वारा नगर में गस्त की जा रही थी उसी दौरान नगर के पतलोन रोड पर एक युवक अपने हाथ में तेज धारदार हथियार लेकर घुमते हुये पाये जाने पर पुलिस द्वारा युवक को पकड़ते हुये उससे पूछताछ की गई तो युवक ने अपना नाम मकेश उर्फ रूचिल उर्फ चील पिता रमेश उर्फ रामेन्द्र सोनी निवासी जगदीश वार्ड बताया गया। इसी प्रकार से नगर के चीचली फाटक के पास विजस उर्फ विज्जू पिता ब्रजमोहन बाल्मीक निवासी पाटी टंकी के पास से भी धारदार चाकू जप्त किया गया। इस तरह पुलिस ने अलग अलग स्थानों से आरोपियों के पास धारदार हथियार जप्त करते हुये धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये गिरप्तार किये गये है।

झिकोली पुल के ऊपर घंटो तक खडी रहने वाली बसों के चलते आमजन के लिये बना रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। सरकार द्वारा नरसिंहपुर जिले को रायसेन जिले से जोड़ने के लिए इस मार्ग पर झिकोली नर्मदा में पुल का निर्माण कराया गया है जिसके चलते जहां आम लोगों को राजधानी पहुंचने में आसानी हो रही है, वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नर्मदा भक्तों को भी माँ नर्मदा स्नान करने के लिए आने जाने में लाभ मिल रहा है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि वाहन चालकों की मनमानी के चलते इस पुल पर घंटो तक वाहन खड़े करते हुए मटर गस्ती करने के कारण किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि उदयपुरा व गाडरवारा के बीच चलने वाली बसों के चालकों द्वारा अपनी सुविधा को ध्यान में रखते हुए घंटो तक पुल पर ही बसों को खड़ा करके सबारियों का इंतजार करते हुए देखा जाता है। वही कुछ इसी प्रकार से डम्फर चालकों का हाल भी देखने मिल रहा है जो घंटो से बीच पुल पर डम्फरों को खड़ा किया जाता है जिसके चलते जहां पुल से निकलने वाले वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर पैदल निकलने वाले लोग भी परेशान होते हुए देखे जा रहे है..? इस

प्रकार की सच्चाई को देखते हुए किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? ज्ञात हो कि कुछ वर्ष पूर्व इस प्रकार से वाहन निकलते वक्त इस पुल से दो मासूम कन्याओं की गिर जाने के कारण मौत भी हो चुकी है। मगर इसके बाद भी इस प्रकार से बस संचालकों व डम्फरों के चालकों द्वारा की जा रही मनमानी की ओर न तो प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही पुलिस द्वारा इनके खिलाफ कोई कार्यवाही की जा रही है, जिससे यह जान पड़ रहा है कि शायद प्रशासन द्वारा ही शायद किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा समय रहते इस ओर ध्यान नही दिया गया तो किसी दिन बड़ी घटना घटित हो सकती है।

नियम विपरित वाहनों में लगे हुये लाईट की अनदेखी बन रही सड़क दुर्घनाओं का कारण...?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। क्षेत्र की सड़को पर दौड़ने वाली वाहनों की मनमानी पर अंकुश लगाने में प्रशासन की असफलता का परिणाम है कि वाहन चालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू दिखाई देने से नही चूक रहे है क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले कई वाहनो की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह निर्धारित नियमों के विरूद्व संचालित होने के साथ साथ यह खस्ताहाल वाहन जहां पर्यावरण को बिगाड़ रहे है, वही ये दुर्घटनाओ के कारण भी बनने से भी नही चूक है? क्योंकि जिस प्रकार से वाहन चालकों द्वारा अपने वाहनों में नियम विरूद्व लाईट लगाये हुये है उसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होने का प्रमुख कारण सामने आने से नही चूक पाता है, जहां अनेक चार पहिया वाहन इस प्रकार से होते है जिनका मात्र एक ही हेड लाईट चलते हुये देखा जाता है जिसके चलते इस प्रकार के वाहन को अधिकांश समय लोग दो पहिया वाहन समझते हुये अपनी मोटर साईकिल को काटता है तो वह दुर्घटना का शिकार होने से नही चूकता है? वही दूसरी ओर अनेक वाहनों में निर्धारित माप दंडों के अतिरिक्त तेज रोशन वाली लाईट लगे होते है जो सामने से आने वाली वाहन चालक को रास्ता दिखना ही बंद हो जाता है, उसके कारण वह दुर्घटना का शिकार होने से नही बच पाता है? इस प्रकार की सच्चाई सबसे अधिक सड़को पर दौड़ रहे आटों में देखने मिल रहा है, क्योंकि आटों चालकों द्वारा अपने आटों में मनमाफिक रूप से आटों के ऊपर व अन्य जगहों पर जो अतिरिक्त लाईट लगाये हुये है वह छोटे वाहन चालकों के खिलाफ खतरा का कारण बनने से नही चूक रहे है? इस प्रकार की सच्चाई के चलते क्षेत्र के लोगों द्वारा शासन प्रशासन से अपेक्षा जताते हुये आटों व चार पहिया वाहनों में जिस प्रकार निर्धारित नियमों को दर किनार करते हुये अतिरिक्त लाईट लगाये गये है उनकी जांच के लिये एक मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जावे जिससे आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

खेत में गाय जाने की बात पर की मारपीट

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। लोग छोटी छोटी बातों को लेकर किस तरह एक दूसरे की जान के दुश्मन बनते हुये मारपीट पर उतारू हो जाते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम बैरागढ़ में देखने मिली जहां पर खेत में गाय जाने की बात को लेकर युवक के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये ग्राम बैरागढ़ निवासी युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने गाये चराने के बाद वापिस ले जा रहा था तो रास्ते में दो गाये अचानक रेवाराम उर्फ मुन्ने के खेत में चली गई। इसी बात को लेकर रेवाराम द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये डंडा से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया।

कार की टक्कर से वृद्व महिला को पहुंची चोट

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर के पुलिस मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम उकास घाट निवासी एक वृद्व महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह अपने बेटे लाल सिंह जाटव के साथ मोटर साईकिल पर बैठकर गाडरवारा इलाज कराने के लिये जा रही थी। इसी दौरान जब व कठौतिया के पास पहुंचे तो वहां पर बैगनार क्र. MH03-AR-4761 के चालक द्वारा अपनी कार को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये प्रार्थिया के बेटे की मोटर साईकिल में टक्कर कार दी गई जिसके चलते प्रार्थिया को चोटे आने पर पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए। जो विभाग प्रमुख डी ग्रेड की श्रेणी में है वे सभी विभाग ए ग्रेड में आना सुनिश्चित करें।

बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने कहा कि जिले में उर्वरक की कमीं नही हो, इस पर समस्त एसडीएम ध्यान दें। नगरीय निकायो के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम 150वाँ स्मरणोत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया सख्त, कहा— शिकायतों के त्वरित समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में योजनाओं की प्रगति, समय-सीमा प्रकरण और विकास कार्यों के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विभाग एवं जनपदवार विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिन विभागों में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की प्रगति कम पाई गई, उन्हें चेतावनी देते हुए सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कलेक्टर ने लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए पीडब्ल्यूडी, जनजातीय कार्य विभाग, पीएचई, स्वास्थ्य विभाग कृषि, राजस्व, खाद्य विभाग, बैंकर्स, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, विद्युत, राजस्व विभाग को सख्त निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन निराकरण समय सीमा के अन्दर प्राथमिकता के साथ किया जाए। फिर भी आपके द्वारा लापरवाही की जाती है तो आपके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए है कि आपके विभाग से संबंधित लंबित न्यायालयीन प्रकरण (याचिकाओं) को ध्यानपूर्वक समय सीमा, निर्धारित दिनांक के पूर्व न्यायालय में अपने अपने जवाब प्रस्तुत करें। इस महत्वपूर्ण कार्य में जिस अधिकारी के द्वारा लापरवाही की जाएगी उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को कहा कि छात्रवृत्ति वितरण समय सीमा के अन्दर निराकरण करते हुए निराकरण किया जाए तकि छात्र-छात्राओं को समय पर छात्रवृत्ति प्राप्त हो सके। सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिलना विभागों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही साथ सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण समय पर हो सके। 10 दिवस का अन्दर छात्रवृत्ति प्रकरण में निराकरण नही किया जाता है तो संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को जिले में सफलतापूर्वक समय सीमा के अन्दर पूर्ण कराने हेतु एसडीएम, तहसीलदार, बीएलओ को सख्त निर्देश दिए कि एसआईआर विशेष गहन पुनरीक्षण सर्वे कार्य जिम्मेदारी के साथ समस्त दस्तावेजों को पूर्ण करते हुए निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया जाए।

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आपके विभाग के अंतर्गत कोई भी कार्यक्रम आयोजित होता है तो जनप्रतिनिधियों को प्रोटोकॉल के अनुसार अवश्य रूप से आमंत्रित किया जाए।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने जनजातीय गौरव दिवस के सफल आयोजन हेतु 1 नवंबर से 15 नवंबर 2025 तक होने वाले कार्यक्रमों में भगवान बिरसा मुंडा एवं महापुरूषों की गाथाओं को जनता के सामने लाने एवं जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव दिवस पर होने वाले गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर एनआरएलएम, जन अभियान परिषद गांव गांव में अपने कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से कलश यात्रा, बाइक रैली ब्लॉक एवं जिला स्तर पर की जाएं। कलेक्टर ने एसडीएम, तहसीलदार को जिले में होने वाले मड़ई, मेलों में पटवारी, आरआई, कोटवार की ड्यूटी लगाई जाए ताकि किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो, और मडई व्यवस्थित रूप से संचालित की जा सके। साथ ही साथ मडई में कलश यात्रा निकाली जाए।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत 7 विकासखंडों के 48 समस्याग्रस्त ग्रामों की नल जल योजना के कार्य पूर्ण किए जाने हेतु विभागीय अधिकारियों की कार्य पूर्ण कराने हेतु ड्यूटी लगाई है जिससे ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल जल योजना का लाभ ग्रामीणों को मिल सके। इसलिए ग्रामवार अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।इसी प्रकार से बैठक में सभी समय सीमा प्रकरणों और विभागीय कार्यो की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग प्रमुखों को आवश्यक निर्देश दिए।

वन्यप्राणियों तीन शिकारी हिरासत में जंगली सुअर के साथ घुटरी का 28 किलो मांस बरामद

डिंडोरी

वन परिक्षेत्र शाहपुर अंतर्गत कक्ष क्रमांक 124 कूदवारी में संरक्षित वन्यप्राणियों का शिकार करने वाले तीन आरोपियों को वन अमले ने सोमवार को गिरफ्तार किया है! उप वन मंडल अधिकारी सुनील कुमार अशोक ने बताया कि रविवार की रात लगभग 2 : 00 बजे कुदवारी कक्ष क्रमांक 124 में जंगली सुअर के साथ बार्किंग डियर (घुटरी) का बिजली का करंट लगाकर शिकार करने की गुप्त सूचना मुखबिर के माध्यम से प्राप्त हुई थी! जिसके मद्देनज़र क्षेत्र में वन्यजीवों का शिकार करने वाले शिकारियों पर नजर रखी जा रही थी! इसी दौरान वन अमले को ग्राम दुहनियाँ का एक व्यक्ति थैले में मांस ले जाते दिखा तलाशी और और पूछताछ के दौरान संदिग्ध व्यक्ति ने अपने दो साथियों के साथ वन्य प्राणियों के शिकार की जानकारी दी जिनके पास से जंगली सुअर एवं घुटरी का 28 किलो मांस मिला जिस पर वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा के तहत प्रकरण दर्ज करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया जहां से तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया आरोपियों के नाम भान सिंह पिता रूप से उम्र 25 वर्ष जाति गोंड़ ग्राम द्वारा पोस्ट दुहनिया, सिकंदर मार्को पिता रनमत सिंह मार्को उम्र 22 वर्ष जाति गोंड ग्राम ग्वारा, संजय कुमार पिता नारायण सिंह उम्र 32 वर्ष जाति गोंड, ग्राम ग्वारा

पोस्ट दुहनिया थाना शाहपुर जिला डिंडोरी आरोपियों के कब्जे से जंगली सूअर और घुटरी का कटा हुआ सिर मांस, लोहे का फंदा कुल्हाड़ी सहित शिकार में प्रयुक्त सामग्री जप्त की गई है कार्रवाई में वन परिक्षेत्र अधिकारी सुदीप मिश्रा धनवीर सिंह मरावी डिप्टी रेंजर भारत लाल यादव डिप्टी रेंजर ब्रजकिशोर मरावी डिप्टी रेंजर अजेश्वर सिंह मरावी वन संरक्षक भैरव दास मोगरे डिप्टी रेंजर कुलदीप मरावी बीट गार्ड शिवचरण मसराम बीट गार्ड महादेव कुशराम बीट गार्ड आलोक धूमकेतु बीट गार्ड यशवंत धुर्वे बीट गार्ड अनीशा मरकाम बीट गार्ड ममता परस्ते बीट गार्ड पंकज धुर्वे बीट गार्ड शामिल रहे !

जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा

मतदान केंद्र पर घर-घर जाकर किए जा रहे सत्यापन कार्य

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कलेक्टर सभागार में समय सीमा की बैठक में सभी एसडीएम और तहसीलदार को मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश जारी किए।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक मतदान केंद्र पर घर-घर जाकर किए जा रहे सत्यापन कार्य में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्देशों का अच्छी तरह से अध्ययन कर लें। उन्होंने निर्देशित किया कि पात्र नागरिकों के नाम छूटने न पाएं तथा अपात्र, मृतक या दोहराव वाले प्रविष्टियों को नियमानुसार हटाया जाए।

एसडीएम को अपने-अपने अनुभागों में पुनरीक्षण की दैनिक प्रगति की स्वयं समीक्षा करने और वास्तविक फील्ड निरीक्षण बढ़ाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बीएलओ के कार्य की सतत मॉनिटरिंग अनिवार्य है। तहसीलदारों को आदेश दिए गए कि वे क्षेत्र निरीक्षण बढ़ाएँ और किसी भी स्तर पर शिथिलता पाए जाने पर संबंधित बीएलओ, सुपरवाइजर या राजस्व अमले के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची के कार्य में त्रुटि या उदासीनता गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। उन्होंने दिव्यांगजन, वरिष्ठ

नागरिकों एवं दूरस्थ क्षेत्रों के निवासियों के पंजीकरण में विशेष संवेदनशीलता बरतने की आवश्यकता पर भी बल दिया। कलेक्टर एवं जिला निवाचन अधिकारी ने कहा कि जिले का लक्ष्य एक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाता है। उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट समय से प्रस्तुत करने तथा शिकायत या विसंगति मिलने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर श जेपी यादव, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, निर्वाचन सुपरवाइजर राकेश अवधिया सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय में मनाया जा रहा है जनजातीय गौरव दिवस

कार्यक्रम के अंतर्गत ड्रामा, नृत्य, गायन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई

शहपुरा (डिंडोरी) - सांदीपनि विद्यालय शहपुरा में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विविध सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ड्रामा, नृत्य, गायन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विद्यालय के प्राचार्य यशवंत कुमार साहू ने बताया कि धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष को शासन के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

इसी क्रम में विद्यालय में प्रतिदिन विभिन्न रचनात्मक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों में जनजातीय नायकों के त्याग, साहस और गौरवशाली परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने वीरगाथा काल पर आधारित नाट्य मंचन और गीत-नृत्य प्रस्तुत कर जनजातीय संस्कृति की समृद्ध विरासत को सुंदर रूप में अभिव्यक्त किया।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर नगर परिषद में हुआ आयोजन संपन्न

डिंडौरी । राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज 10 नवबंर को जिले के नगर परिषद शहपुरा और डिंडौरी के कार्यालय प्रांगण में वंदे मातरम कार्यक्रम आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, उपाध्यक्ष श्रीमती सारिका नायक, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, सीएमओ अमित तिवारी, सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत उपस्थित जनसमूह द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत "वंदे मातरम" का गायन किया गया, जिससे पूरे परिसर में देशभक्ति का वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा और एकता का प्रतीक है। उन्होंने आगामी जनजातीय गौरव दिवस के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस हमारे गौरवशाली जनजातीय नायकों के योगदान को याद करने का अवसर है। इस दौरान नृत्य, गीत, निबंध लेखन, चित्रकारी, रंगोली जैसी गतिविधियों के माध्यम से जनजातीय संस्कृति और पद्मश्री सम्मानित महापुरुषों की जीवनी को याद किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने पर गर्व व्यक्त करते हुए राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक एकता के संकल्प को दोहराया।

जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़े 1 से 15 नवम्बर तक

डिंडौरी में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाने की तैयारियाँ तेज

डिंडौरी । भगवान बिरसा मुंडा जयंती की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़े (1 से 15 नवम्बर 2025) के सफल आयोजन की तैयारियों हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने की। बैठक में बताया गया कि पखवाड़े के दौरान जिले के विभिन्न विभागों द्वारा नियमित रूप से सांस्कृतिक, खेलकूद, साहित्यिक एवं जनजागरूकता से संबंधित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में 15 नवम्बर 2025 को जिला मुख्यालय स्तर पर बिरसा मुंडा स्टेडियम डिंडौरी में भव्य जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही जिले से चयनित युवा प्रतिभागी जबलपुर में आयोजित मुख्यमंत्री के मुख्य समारोह में भी शामिल होंगे।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने-अपने कार्यों की जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएँ और आयोजन की तैयारियाँ समय पर पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज की अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए जो संघर्ष किया, वह पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। इसलिए यह आयोजन जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं को भव्य रूप में प्रदर्शित किया जाए, ताकि नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सके। बैठक में आयोजन की तैयारियों के लिए जनजातीय कार्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, जन अभियान परिषद, ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), पीएचई, विद्युत विभाग, परिवहन विभाग, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग को विभिन्न जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। बैठक में अपर कलेक्टर जेपी यादव, सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, नरेन्द्र राजपूत, सुधीर दत्त तिवारी, महेश धुमकेती, लक्ष्मण सिंह, सीएमएचओ डॉ. मनोज पाण्डेय, एसडीओपी सतीश द्विवेदी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्याम सिंगौर, डीपीसी श्वेता अग्रवाल, कार्यपालन यंत्री पीएचई, शहपुरा सीएमओ नगर परिषद श्रीमती रीना राठौर, एनआरएलएम प्रभारी श्रीमती अर्पणा पाण्डेय, यातायात प्रभारी सुभाष उइके, पीएस राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन ने किया छात्रावासों का निरीक्षण, छात्राओं से की चर्चा

डिंडौरी । एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन ने शासकीय सीनियर बालिका छात्रावास एवं जूनियर आदिवासी कन्या आश्रम चाड़ा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास की समस्त व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया और छात्राओं से संवाद स्थापित किया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम देवांगन ने भोजन की गुणवत्ता, पीने के पानी की उपलब्धता, शौचालयों की स्वच्छता, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रावास परिसर की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं के रहने और पढ़ने का वातावरण स्वच्छ एवं सुरक्षित होना चाहिए। एसडीएम ने छात्राओं से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करते हुए उनकी शैक्षणिक प्रगति, अध्ययन सामग्री की उपलब्धता एवं दैनिक दिनचर्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने भविष्य के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें, नियमित रूप से अध्ययन करें और अपने विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ लेकर वे अपने सपनों को साकार कर सकती हैं। निरीक्षण के दौरान छात्रावास की अधीक्षिका उपस्थित रही और उन्होंने छात्रावास की वर्तमान स्थिति एवं आवश्यकताओं की जानकारी दी। एसडीएम देवांगन ने अधीक्षिका को छात्राओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए और कहा कि किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाए।

बिरसा मुंडा जयंती पर कन्या शिक्षा परिसर डिंडौरी में क्विज प्रतियोगिता, छात्राओं ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

डिंडौरी । भगवान बिरसा मुंडा जयंती की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़े के अंतर्गत कन्या शिक्षा परिसर डिंडौरी में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में जनजातीय नायकों के जीवन, संघर्ष एवं योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। क्विज प्रतियोगिता में छात्राओं ने बड़ी उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सावित्री बनवासी, द्वितीय स्थान रंजना तेकाम तथा तृतीय स्थान रागिनी धुर्वे ने प्राप्त किया। विजेताओं को विद्यालय परिवार द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस आयोजन में प्राचार्य राम विशाल मिथलेश के मार्गदर्शन एवं विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज के अधिकारों, आत्मसम्मान और स्वाभिमान के लिए जो संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। इस कार्यक्रम के प्रभारी श्रीमति उज्जवला ब्यौहार उच्च माध्यमिक शिक्षक निर्णायक नरेश धुर्वे उच्च श्रेणी शिक्षक दीपक कुमार बौद्ध राजू मरावी श्री मति अमृता तिवारी , दीपिका मरकाम, जगदीश श्याम सहित अन्य शिक्षक शिक्षिका सभी कन्या शिक्षा परिसर डिंडोरी समस्त स्टॉफ द्वारा सराहनीय योगदान रहा है।

खबर संक्षेप

पत्रकारों के हितों की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन आज

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई नरसिंहपुर द्वारा पत्रकारों के हितों को लेकर एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देशानुसार 11 नवंबर मंगलवार को दोपहर 3 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर में मुख्यमंत्री के नाम 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिले के सभी संघ से जुड़े पत्रकारों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पत्रकार जनसंवाद केंद्र से रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी एकता और अधिकारों की आवाज बुलंद करें। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के बैनर तले यह आंदोलन पूरे प्रदेश में एक साथ किया जाएगा जिले-दर-जिले रैली निकालते हुए पत्रकार साथी कलेक्टरों के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे।

राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में सावित्री को मिला तृतीय स्थान

नरसिंहपुर। इंदौर में चल रही राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में जिले की पी. एम. श्री एमएलबी स्कूल में अध्ययनरत छात्रा सावित्री मल्लाह 19 वर्ष बालिका वर्ग मे तीनों इंवेट 50 मी बैक स्ट्रोक, 100 मी बैक एवं 50 मी ब्रेस्ट स्टोक में तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्था प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा, खेल शिक्षिका डॉ अंजिता वर्मा एवं समस्त स्टाफ गायत्री सोनी पुष्पा दुबे स्मृति श्रीवास्तव संगीता श्रीवास्तव कमल किशोर पटेल हर प्रसाद कोरी राजकुमार समस्त स्टाफ के द्वारा उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

कान्हा केरम टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

नरसिंहपुर। नगर के सांकल रोड निवासी स्वश्री विजय सोनी की स्मृति में कान्हा केरम टूर्नामेंट का आयोजन 5 नवम्बर से 15 नवम्बर 2025 तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के नवोदित खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना और उन्हें केरम खेल के प्रति प्रोत्साहित करना है। आयोजकों ने बताया कि यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष आयोजित की जाएगी ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

विचार व व्यवहार में होती है सच्ची सुंदरताः दिव्या चैधरी

नरसिंहपुर। जन परिषद द्वारा जनहित के संकल्प के साथ एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन नगर में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जन परिषद ब्यूटी पेजेंट की मिसेज यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी 2025 विजेता दिव्या चैधरी उपस्थित रहीं। उनके साथ जन परिषद समन्वयक रामजी श्रीवास्तव एवं एमपी स्टेट सेकेट्री नितिन श्रीवास्तव मंचासीन रहे। अपने उद्बोधन में दिव्या चैधरी ने कहा कि इस खिताब की जीत के बाद उन्होंने समाजसेवा से जुड़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि सच्ची सुंदरता चेहरे की चमक में नहीं, बल्कि विचारों और व्यवहार की कोमलता में होती है। अगर किसी की सूरत सुंदर है, पर उसकी सीरत में संवेदनशीलता नहीं, तो वह सौंदर्य अधूरा है। उन्होंने यह भी बताया कि ब्यूटी पेजेंट में पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर दिमाग से नहीं, बल्कि दिल से दिए जाते हैं, क्योंकि असली सुंदरता मन की सच्चाई में झलकती है। कार्यक्रम के समापन पर जन परिषद जिलाध्यक्ष अजय नागपुरे ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल सेवा नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच और सामूहिक सहयोग की भावना को प्रबल बनाना है। जन परिषद का हर सदस्य समाज के लिए दीपक बनकर प्रकाश फैलाए,यही हमारा संकल्प है।

ठाकुर परिवार में शोक

तेंदूखेड़ा क्षेत्र के प्रतिष्ठित भामा परिवार के वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व जनपद उपाध्यक्ष ठा राघवेन्द्र सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती ठा प्रिया सिंह का सोमवार को असमय देवलोक गमन हो जाने पर बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्रीय जनों की उपस्थिति के बीच उनके गृह ग्राम भामा में अंतिम संस्कार विदाई दी गई।

जिले में दो डीएचओ अधिकारी होना नियम विरुद्ध

नियमों धता दिखा रहा स्वास्थ्य विभाग

जिले में मोहमाया का दौर जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अनेकों योजनाएं बनाकर स्वास्थ्य लाभ देने हेतु संकल्पित है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी - कर्मचारी सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए आतुर रहते है। ऐसा ही मामला जिले से सामने आया जहां पर दो जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी पदस्थ्य है। वही पूर्व से पदस्थ्य डॉक्टर का प्रभार यथावत है लेकिन स्थानांतरण के बाद आए अधिकारी को प्रभार नही दिया गया। नियम अनुसार जिले मे केवल एक डीएचओं होना चाहिए लेकिन नरसिंहपुर जिले मे दो डीएचओ है। वही अन्य जिलों मे प्रशासन द्वारा प्रभारी अधिकारियों से काम चलाया जा रहा है।

मामला इस प्रकार

जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए है जिसमें जिला स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम में डॉ. ए आर मरावी एवं जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी द्वितीय में डॉ. श्याम सिंह ठाकुर तथा प्रभारी जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी तृतीय डॉ. देवन्द्र रिपुदमन सिंह को अधिकारी बनाया गया है। लेकिन स्थानांतरण करा कर आए डॉ. गणेश प्रसाद

भनारिया जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी को पद नही दिया गया। जिले में दो अधिकारी द्वितीय श्रेणी को होना नियम विरूद्ध है। प्रशासन को चाहिए की उचित कार्रवाई करते हुए नियमानुसार कार्यभार सौंपा जाए जिससे सरकार की मंशानुसार जिले मे स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर रूपए से संचालित हो सके।

किस मद से दिया जा रहा वेतन

जिले मे पदस्थ्य अधिकारी - कर्मचारियों को उनके मूल पद से वेतन का भुगतान कराया जाता है। वही स्थानांतरण के बाद आए डॉ. गणेश प्रसाद भनारिया को मूल पद पर प्रभार नही दिया दिलाया गया तो उनके वेतन का भुगतान किस मद से कराया जा रहा है। जो कि नियमों विपरीत है। उक्त संबंध मे किसी प्रकार की कोई जानकारी प्राप्त नही हो सकी और ना ही उनके वेतन संबंधी कोई पत्राचार की बात चर्चा में है। क्योंकि एक ही पद से दो लोगों को वेतन का भुगतान भी नही हो सकता है। तो डॉ भनारिया को किस पद से वेतन का भुगतान किया जा रहा है जो गंभीर प्रश्न है। प्रशासनिक अधिकारियों को चाहिए कि जांच कर ठोस कार्रवाई करे जिससे होने वाली वित्तीय अनियमित्ता को रोका जा सकें।

डॉ. भनारिया के कार्यो की हो जांच

ज्ञात हो कि डॉ. गणेश प्रसाद भनारिया पूर्व मे जिले के स्वास्थ्य केन्द्र सिंहपुर मे पदस्थ्य थे जहां पर उनके द्वारा वित्तीय अनियमितता की जानकारी भी सूत्रों से प्राप्त हुई। लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा शिकायत कोई कार्रवाई नही की गई। प्रशासन को चाहिए की पूर्व पदस्थापना के दौरान डा भनारिया द्वारा किए गए कार्यो की सूक्ष्मता से जांच कराई जाए। जिससे की गई गड़बड़ियां सामने आ सके। जिससे सरकार की मंशानुसार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं तथा योजनाओं को लाभ मिल सके। वही स्वास्थ्य विभाग मे ऐसे कई कारनामे अधिकारी कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे जिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है।

पटेलों को स्थायी नियुक्ति और मानदेय की मांग सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को आदर्श ग्रामीण पटेल संघ मध्यप्रदेश ने कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपते हुए ग्राम अधिकारियों (पटेलों) की दशकों पुरानी सेवाओं को शासन से मान्यता दिलाने की मांग की। संघ ने कहा कि वर्ष 1959 से अब तक पटेल परिवारों के लोग अपने-अपने क्षेत्रों में शासन के नियमों के अनुसार बिना किसी मानदेय के कार्य कर रहे हैं, जबकि उन्हें न तो कोई आर्थिक सहायता मिली है और न ही स्थायी नियुक्ति। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 222 के तहत पटेल ग्राम स्तर पर शासन और जनता के बीच एक सेतु की भूमिका निभाते हैं। कई गांवों में यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चल रही है,जहां परदादा से लेकर वर्तमान पीढ़ी तक लगातार 67 वर्षों से सेवा दे रहे हैं। फिर भी शासन की ओर से आज तक किसी भी प्रकार का मानदेय या लाभ नहीं दिया गया।

ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर देवंती परते को सौंपा गया।इसमें मांग की गई कि वर्तमान में कार्यरत पटेलों को उनके पूर्वजों के स्थान पर शैक्षणिक योग्यता और ग्राम सभा प्रस्ताव जैसी औपचारिकताओं में छूट देकर स्थायी नियुक्ति पत्र और परिचय पत्र जारी किए जाएं। जिन पटेलों के पुराने नियुक्ति या परिचय पत्र नष्ट हो गए हैं, उन्हें शासकीय अभिलेखों के आधार पर नए प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएं। संघ ने यह भी उल्लेख किया कि अनेक पटेलों की सेवा अवधि के दौरान मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उनके उत्तराधिकारी परंपरा को निभाते हुए आज भी वही जिम्मेदारी निभा रहे हैं।इसके साथ ही ज्ञापन में यह भी प्रमुखता से कहा गया कि पटेलों को कोटवारों की तरह मानदेय या सेवा भूमि दी जाए। वर्तमान में ग्राम कोटवारों को नियमित वेतन और सेवा भूमि का लाभ प्राप्त है, जबकि समान कार्य करने वाले पटेलों को इससे वंचित रखा गया है।संघ ने अंत में कलेक्टर कार्यालय से यह अनुरोध किया कि पटेलों के कार्य, अधिकारों और दायित्वों की लिखित जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे शासन के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन और अधिक दक्षता से कर सकें।

भोपाल मे सम्मानित हुए दलपत सिंह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कर्मचारी नेता रहे समाजसेवी दलपत सिंह कुशवाहा को बीते दिवस भोपाल में सम्मानित किया गया। भोपाल स्थित संस्कृति भवन में मध्य प्रदेश कुशवाहा समाज द्वारा आयोजित समाज के विभिन्न क्षेत्रों में समाज के लिए किए गए उत्थान के कार्य करने वाले व्यक्तियों को कुशवाहा समाज द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से नरसिंहपुर निवासी दलपत सिंह कुशवाहा को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए भी सम्मानित किया गया उनके द्वारा किए गए कर्मचारियों के हितार्थ कार्य और नरसिंहपुर कुशवाहा समाज के एकत्रीकरण में उत्कृष्ट कार्य करने पर यह सम्मान प्राप्त हुआ। विदित हो कि अपनी शासकीय सेवा के दौरान श्री कुशवाहा ने कर्मचारियों के हितों के लिए अनेक आंदोलन किए। साथ ही कुशवाहा समाज के लिए भी हमेशा सक्रिय रहते हैं। दलपत सिंह कुशवाहा के भोपाल में सम्मानित होने पर जिले के विभिन्न संगठनों ने उन्हें बधाई दी है।

स्वदेशी का भाव अपनाने की जरूरत दत्तोपंत ठेंगड़ी की जन्म जयंती पर बोले वक्ता

तेंदूखेड़ा

सोमवार को स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी की जन्म जयंती शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा परिसर में स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी अभियान की तहसील ईकाई तेंदूखेड़ा के द्वारा समारोह पूर्वक मनाई गई।भारत माता के पूजन तथा पं दीनदयाल उपाध्याय एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्य वक्ता के रुप में उपस्थित मंच के पूर्व प्रांत सहसंयोजक उदय ठाकुर के द्वारा दत्तोपंत ठेंगड़ी की शिक्षा से लेकर वर्ष 1966 से 76 तक राज्य सभा सांसद रहने केंद्र में श्रम मंत्रालय फिर 2002 में पद्मश्री पुरस्कार से नवाजे जाने जैसे विंदुओं पर काफी विस्तार से चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि विचारों को बनाने के साथ जिंदा रखने उसे आत्मसात करना एक महत्वपूर्ण विषय है। स्वदेशी अपनाने की दिशा में यदि हमें स्वयं जन-जागरण करना पड़े यह विषय हम सभी को काफी चिंता का विषय है।भारत पहले सोने की चिड़िया कहलाता था और सबसे बड़ा निर्यातक देश था लेकिन आज स्थिति यह बनीं हुई है कि 35 हजार करोड़ से ज्यादा का व्यापार चाइना से करता है।जो ईस्ट इंडिया कंपनी पहले हमारे देश से जितना लूटकर ले गई थी उससे कहीं ज्यादा है। हमें अपने स्थानीय सामग्री लघु उद्योगों को बढ़ावा देने और स्वदेशी सामग्री ही खरीदने की जरूरत है। हमें पुनः अपने पुराने वैभव को लौटाने दिशा और दशा बदलने में युवाओं को साथ लेकर विचार और संकल्प शक्ति की ओर आगे बढ़ना है।इस मौके पर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के डा आर के झा , जनभागीदारी समिति के सुरेन्द्र खेरोनिया उपाध्यक्ष महीष मोदी सहकारिता विभाग के ठा नितिन सिंह महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य भानुप्रताप प्रजापति नीरज राय हीरेंद नायक प्रदीप जोगी मुकुल नामदेव वैभव राय सहित बड़ी संख्या में अतिथि उपस्थित थे। तहसील ईकाई प्रमुख नीलेश खरे के द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर चर्चा की संचालन एवं आभार नीरज राय ने किया।

बोनी लेट और पहली बोनी का बीज खराब मुख्य बजह

इस बार बाजार में अभी तक नहीं पहुंचा मटर

तेंदूखेड़ा। पिछ्ले साल की अपेक्षा इस वर्ष बाजार में अभी तक हरा मटर बिकने को नहीं पहुंच सका है।जिसकी मुख्य बजह बोनी लेट होना बताया जा रहा है।40 से 50 दिनों में तैयार होकर आने वाली मटर फसल किसानों को नगद मूल्य की फसल है। और मटर के बाद किसान गेहूं की फसल लगाकर लाभ अर्जित कर लिया करते थे लेकिन इस बार बरसात के कारण जमीनों में नमी बतर ना मिल पाना मुख्य बजह बताई जा रही है। कुछ किसानों ने अक्टूबर माह में बोनी कर दी थी लेकिन अचानक बरसात हो जाने के कारण नमी और अधिक हो जाने के कारण बीज ही खराब हो गया था दुबारा से फिर बोनी करनी पड़ रही है। इसलिए लगभग

एक माह बाद ही बाजार में हरा मटर आने की उम्मीद जताई जा रही है।

इस बार रवि सीजन में गेहूं का रकबा बढ़ने की उम्मीद- खेतो में लगातार नमी बनी होने के कारण इस बार रवि मौसम की फसलों की बुवाई लगभग एक माह विलंब से हो पा रही है।गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष चना मसूर का रकबा घटने की भी उम्मीद है।अधिकांश किसान गेहूं की फसल लगाने की तैयारी में जुटे हुए देखे जा रहे हैं। जानकार किसानों का कहना है कि इस बार अधिक वारिस होने के कारण अधिक ठंड पड़ने की उम्मीद है। अधिक ठंड के चलते दलहनी फसलों चना मसूर बटरी अरहर में पाला तुषार लगने की ज्यादा संभावनाएं बढ़ जाती है। चूंकि गेंहू में इन सबकी कोई दिक्कत भी नहीं है। और जैसे तैसे चना मसूर बटरी की फसल लगा भी देते हैं तो पलेवा करने के बाद खेतों में कचड़ा पैदा होने के कारण किसानों को अधिक खर्चा आ सकता है इसलिए गेंहू फसल ज्यादा तर स्तिथि में लगाई जाने की संभावना है।

गन्ने में शुगर कम नहीं मिल रहे वाजिब दाम- तेंदूखेड़ा क्षेत्र में गन्ना कटाई शुरू हो गई है। गन्ना उत्पादक किसानों को बरदान साबित हुई बिलगुंवा की शुगर मिल आवश्यक कार्य के चलते अभी शुरू नहीं हो पाई है। और खरीफ मौसम में घाटा झेल चुके किसान अपने खर्चों की पूर्ति हेतु गन्ना की भट्टियों पर गन्ना बेचने मजबूर बनें हुए हैं लेकिन उन्हें उचित बाजिव दाम नहीं मिल पा रहे हैं जिसका मुख्य कारण गन्ने में शुगर कम होना बताया जा रहा है।अधिक बरसात के कारण गन्ने में मिठास अभी कम बनीं हुई है।भट्टी संचालकों को गुड़ बनाने मीठे गन्ने की जरूरत हुआ करती है। क्षेत्र की शुगर मिलों में गन्ना ले जाने में भाड़ा लागत अधिक आने के कारण सुविधा की दृष्टि से समीप की मिल पर ही गन्ना देते हैं।

समाधान योजना के तहत 12 उपभोक्ताओं ने 50 हजार की राशि जमा कराई

तेंदूखेड़ा

विगत दिवस विघुत वितरण केन्द्र तेंदूखेड़ा कार्यालय में समाधान योजना शिविर आयोजित किया गया जिसमें शासन द्वारा वर्तमान समय मे. लागू की गई विलंबित भुगतान अधिभार की छूट के बारे में जानकारी प्रदान की गई। जिसमें उपस्थित 12 उपभोक्ताओ. का पंजीयन कर योजना का लाभ देते हुए छूट पश्चात राशि जमा कराई गई। समाधान योजना के विषय में कनिष्ठ अभियंता तेंदूखेड़ा श्री उमेश कुमार बाल्मिक द्वारा बताया गया कि यह योजना तीन माह या उससे अधिक समय से बिल जमा न करने वाले

समस्त श्रेणी के उपभोक्ताओ. के लिए लागू है जिसका पहला चरण दिनांक 3 नवम्बर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक रहेगी। जिसमे उपभोक्ताओं को लगे विलम्ब भुगतान अधिभार मे. 60 से 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। योजना का दूसरा चरण 1 जनवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा जिसमें उपभोक्ताओ.को 50 से 90 प्रतिशत की छूट सरचार्ज राशि में छूट का प्रावधान रहेगा।

क्षत्रिय राजपूत सभा ने मनाया दीपावली मिलन समारोह, समाजिक एकता व संस्कृति संरक्षण का दिया संदेश, क्षत्रिय राजपूत सभा गोटेगाँव द्वारा दीपावली मिलन समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न, स्थानीय माँ गार्डन में आयोजित किया गया समारोह

नरसिंहपुर/गोटेगांवः- क्षत्रिय राजपूत सभा गोटेगाँव द्वारा 9 नवम्बर दिन रविवार को दीपावली मिलन कार्यक्रम स्थानीय माँ गार्डन आयोजित किया गया। कार्यक्रम कि शुरुआत राजपूतों की आराध्या देवी माँ दुर्गा, क्षत्रिय कुलभूषण भगवान श्रीराम और वीरशिरोमणि महाराणा प्रताप के चित्र का पूजन अर्चन कर पुष्प अर्पित किए, तदुपरान्त धवजारोहड़ किया गया। ध्वजारोहड़ के पश्चात मंचाशीन बरिष्ठजनों का स्वागत किया गया, वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सभी सामाजिक बंधुओ एवं उपस्थित महिला शक्ति का तिलक रोली एवं कंठी माला से स्वागत किया गया, कार्यक्रम कि अध्यक्षता ठा. नारायण सिंह चरगवां ने की।इसी बीच कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटैल, विशिष्ट अतिथि गोटेगाँव विधायक महेन्द्र नागेश एवं बरिष्ठ समाजसेवी सरदार सिंह पटैल कार्यक्रम सभा में पहुंचे जिनका शाल श्रीफल भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम की श्रँखला में राजपूत समाज के बरिष्ठ जनों एवं क्षत्राणी मातृशक्ति का सम्मान, स्वजातीय सामाजिक जनप्रतिनिधियों का स्वागत एवं सम्मान, प्रतिभावान विधार्थियो (कक्षा 10वीं. एवं 12वीं. बर्ष 2024-2025) का

सम्मान, शासकीय कार्यालयों में सेवारत एवं सेवानिवृत स्वजातीय बंधुओ का स्वागत सम्मान कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के मनोरंजन का ध्यान रखते हुए संगीत मण्डली द्वारा भक्तिमय गीतों कि प्रस्तुति की गई, साथ ही आजमगढ़ से पधारे कवि द्वारा वीर रस से ओतप्रोत कविताओं के माध्यम से माहौल को वीररस से भर दिया।समारोह में उपस्थित समाज के बरिष्ठ जनों ने अपने ओजस्वी उद्बोधन से क्षत्रिय राजपूतों की वीरताओं की गाथाओं का बखान किया, कि किस प्रकार हमारे पूर्वजों ने अपनी मातृभूमि कि आना बान शान के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया, लेकिन कभी किसी के आगे सिर नहीं झुकाया, यहाँ तक कि जब मुगलों ने भारत पर आक्रमण किया तो महाराणा प्रताप जैसे वीर योद्धाओं ने मुगलों को नाकों चने चबाने पर मजबूर कर दिया।क्षत्रिय राजपूत सभा के अध्यक्ष ठा. द्वारका सिंह ने गोटेगाँव विधायक महेन्द्र नागेश के समक्ष नगर में महाराणा प्रताप भवन के निर्माण किए जाने सम्बंधित मांग पत्र प्रस्तुत किया, जिसपर विधायक नागेश ने उसे सहर्ष स्वीकार करते हुए, जल्द ही क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया और मंच से ही 10 लाख रूपये देने का वादा किया। वहीं युवा क्षत्रिय राजपूत सभा के अध्यक्ष ठा. राजेश सिंह ने पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटैल से नगर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित किए जाने के सम्बन्ध में मांग पत्र सौंपा, जिसपर उन्होंने मांग को जायज मानते हुए अतिशीघ्र पूरा करने कि बात कही।कार्यक्रम में गोटेगाँव ब्लॉक के आलावा जिले भर से क्षत्रिय राजपूत बंधु सम्मलित हुए, साथ ही पहली बार बड़ी संख्या में क्षत्राणी मातृशक्ति भी सम्मलित हुईं, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। भरी सभा में युवा क्षत्राणीयों ने भी मंच से अपने विचार व्यक्त किए।क्षत्रिय राजपूत सभा के जिला अध्यक्ष ठा. इंद्रभूषण सिंह ने क्षत्रिय राजपूत सभा कि महिला इकाई के गठन कि जानकारी मंच से साँझा की, वहीं युवा इकाई के अध्यक्ष ठा. राजेश राजपूत ने युवा इकाई कि कार्यकारिणी की भी घोषणा की।समारोह ने समाज में एकता, परंपरा और उत्सव के संदेश को नई ऊर्जा प्रदान की।